Unique Paper Code : 12275303
Name of the Paper : Money and Banking
Name of the Course : B.A (H) GE
Semester : III
Duration : 3 hours
Maximum Marks : 75 marks

Instructions for Candidates

1. Attempt any four questions.

2. All questions carry equal marks.

3. Answers may be written either in English or Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

1. a) Explain why the money supply might change due to change in the behavior of commercial banks and the central bank?

b) "In India, crises have mostly manifested in the form of high levels of NPA's and their impact on the capital adequacy levels of banks". Compare and contrast the two high bank NPA episodes, describing the macroeconomic and institutional differences and similarities across both the periods.

2. a) "A long call position offers potentially unlimited gains, if the underlying asset's price rises, but a fixed maximum loss if the underlying asset's price drops to zero". Explain.

b) What are liquidity aggregates? Mention these aggregates for India as given by the Third Working Group?

3. a) Analyze the impact of asymmetric information on bank's loan decisions.

b) Suppose that on January 1, 1995 the interest rate on a one-year government bond is 5%, the interest rate on a two-year government bond is 6%, and the interest rate on three-

year government bond is 7%. According to the Expectations theory of the term structure of interest rates, what is the expected interest rate on one and two year bonds issued on January 1, 1996? What is the expected interest rate on one year bond issued on January1, 1997?

4. a) Can the central bank choose money aggregate as an intermediate target? Explain the points in favor of and against the money aggregate as intermediate target.

b) Why was there a need to move from base rate lending to MCLR system? Discuss the effectiveness of MCLR system in improving the transmission effects of monetary policy.

5. a) What is the Principal-Agent problem in equity contracts? How can it be solved?

b) Discuss the implementations lags and effectiveness lags in monetary policy.

6. a) “The costs of Basel III will outweigh the benefits in India”. Explain.

b) Explain in detail the Unconventional monetary policy measures taken by RBI when there are problems in monetary policy transmission mechanism or if additional monetary stimulus is required.

Set-1

Unique Paper Code: 12275303

Name of Paper : Money and Banking

Name of Course : BA (H) GE

Semester : III

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 75

अभ्यार्थियों के लिए निर्देश:

1. किन्ही चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए|
2. सभी प्रश्न समान अंक के हैं
3. इस प्रश्न पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिन्दी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए|

Q1. (अ) बताइए कि वाणिज्यिक बैंकों एवं केन्द्रीय बैंक के व्यवहार में परिवर्तन के कारण मुद्रा पूर्ति क्यों बदल सकती है?

(ब) "भारत में, अधिकतर संकट गैर निष्पादित आस्तियों (NPA's) के उच्च स्तर तथा उनका बैंकों की पूंजी पर्याप्तता के स्तर पर प्रभाव के रूप में प्रकट हुए हैं" दोनों अवधियों में समष्टिगत और संस्थागत अन्तरों और समानता का वर्णन करते हुए दो उच्च बैंक एन पी ए प्रकरणों की तुलना करें तथा विषमता प्रकट करें

Q2 (अ) "अंतर्निहित परिसम्पत्ती की कीमत बढने पर एक लोन्ग कॉल विकल्प संभावित असीमित लाभ प्रदान करती है, लेकिन अंतर्निहित परिसम्पत्ति की कीमत शून्य होने पर एक निश्चित अधिकतम हानि होती है।" वर्णन कीजिए|

(ब) तरलता समग्र क्या है ? तृतीय कार्य दल द्वारा दिए जाए अनुसार भारत के लिए इन समग्रों का उल्लेख कीजिए

Q3. (अ) बैंक के ऋण निर्णयों पर असममित सूचना के प्रभाव का विश्लेषण कीजिए।

(ब) मान लीजिए कि 1 जनवरी 1995 को एक साल के सरकारी बॉंड पर ब्याज दर 5% है, दो साल के सरकारी बॉंड पर ब्याज दर 6% है और तीन साल के सरकारी बॉंड पर ब्याज दर 7% है। ब्याज दरों के अवधि सँरचना के प्रत्याशा सिद्धान्त के अनुसार, 1 जनवरी, 1996 को जारी एक और दो साल के बॉण्ड पर अपेक्षित ब्याज दर क्या है ? 1 जनवरी 1997 को जारी एक साल के बाण्ड पर अपेक्षित ब्याजदर क्या है ?

Q4 (अ) क्या केन्द्रीय बैंक मध्यवर्ती लक्ष्य के रूप में मुद्रा समग्रों का चयन कर सकता है ? मुद्रा समग्रों के पक्ष और विपक्ष में मध्यवर्ती लक्ष्यों के रूप में बिन्दुओं को स्पष्ट कीजिए।

(ब) बेस रेट लेन्डिग से एम सी एल आर प्रणाली में जाने की आवश्यकता क्यों पड़ी है ? मौद्रिक नीति के संचरण प्रभाव को सुधारने में एम सी एल आर प्रणाली की प्रभावशीलता पर चर्चा करें।

Q5 (अ) इक्विटी अनुबंधों में प्रमुख अभिकर्ता समस्या क्या है ? इसे कैसे हल किया जा सकता है ?

(ब) मौद्रिक नीति के कार्यान्वयन अन्तराल तथा प्रभावशीलता अन्तराल पर चर्चा करें

Q6. (अ) "बेसल III की लागत भारत में लाभों से अधिक होगी।" वर्णन करें।

(ब) मौद्रिक नीति के संचरण तंत्र में समस्या होने पर या अतिरिक्त मौद्रिक प्रोत्साहन की आवश्यकता होने पर आर बी आई द्वारा उठाए गए अपरंपरागत मौद्रिक नीति उपायों के बारे में विस्तृत वर्णन करें।

CS Scanned with CamScanner